दूरस्थ क्षेत्रों में कच्चे तेल के छोटे-छोटे कुंड (पूल) स्थित हैं,

(ख) यदि हां, तो देश में ऐसे छोटे कुंडों की संख्या कितनी है और इन कुंडों में कच्चे तेल की कितनी मात्रा के होने का अनुमान है;

(ग) क्या यह सच है कि इन कुंडों में से अभी तक कच्चा तेल नहीं निकाला गया है, और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और सरकार इस मामले में क्या कदम उठा रही है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (घ) जी, हां। देश में 75 छोटे क्षेत्र हैं जिनमें लगभग 72.22 मिलियन टन वसूली योग्य भंडार है। 26 क्षेत्रों में उत्पादन पहले ही आरंभ हो गया है। राष्ट्रीय तेल कम्पनियों द्वारा कुछ अतिरिक्त क्षेत्रों का विकास प्रस्तावित है और ऐसे क्षेत्रों के विकास में भागीदारी के लिए निजी घरेलू/विदेशी निवेशकों को अनुमति देने के लिए सैद्धांतिक तौर पर निर्णय लिया गया है।

खाना पकाने की गैस के कनेक्शनों की प्रतीक्षा सूची

1042. **श्री राघवजी** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 मार्च, 1992 की स्थिति के अनुसार खाना पकाने की गैस के कनेक्शनों की प्रतीक्षा-सूची में राज्यवार कितने-कितने आवेदन थे, और

(ख) उन्हें खाना पकाने की गैस के कनेक्शन कब तक दिए जाने की संभावना है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) 1.1.1992 की स्थिति के अनुसार अपेक्षित जानकारी देते हुए एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ख) अधिकतम आवेदकों को एल० पी० जी० कनेक्शन यथाशीघ्र देने के प्रयास लगातार किये जाते हैं।

विवरण

एल०पी०जी० कनेक्शनों की प्रतीक्षा सूची में आवेदनों की राज्यवार संख्या

(लाख में)

क्र०सं०	राज्य	कुल
1	आन्ध्र प्रदेश	4.80
2	अरुणाचल प्रदेश	0.11
3	असम	0.87
4	बिहार	1.91
5	गोआ	0.57
6	गुजरात	5.59
7	हरियाणा	3.19
8	हिमाचल प्रदेश	0.45
9	जम्मू और कश्मीर	0.67
10	कर्नाटक	3.41
11	केरल	2.88
12	मध्य प्रदेश	3.69
13	महाराष्ट्र	13.45
14	मणिपुर	0.16
15	मेघालय	0.05
16	मिजोरम	0.05
17	नागालैंड	0.10
18	उड़ीसा	0.64
19	पंजाब	4.20
20	राजस्थान	5.96
21	सिक्किम	0.01
22	तमिलनाडु	7.50
23	त्रिपुरा	0.17
24	उत्तर प्रदेश	10.53
25	पश्चिमी बंगाल	6.70
	संघ राज्य क्षेत्र	
1	अंडमान और निकोबार	0.04
2	चंडीगढ़	0.85
3	दादर और नागर हवेली	0.01
4	दिल्ली	6.05
5	दमन	0.02
6	लक्ष द्वीप	0.00
7	पांडिचेरी	0.19